

[illegible]

एगवान. नमो. वृद्ध जलाय. ॐ दंपूष्यमधुलं निर्यामि ॥ **॥ वार**
 उं नमो वृद्धाय कजेनाशित ह्योय. यजामासमधि ह्योय. उं लाके मूरुय.
 सर्वसत्त्वानां. ६४ स्वकजकाजन. ॐ देवलि. दिव्यगंधजलमयतां उपरुं ऊ सर्व
 सत्त्वानां ॥ अनूरुजायासंम्यक्तं वीरधोप्रणिश्यायनाय उं आसूगकवज उं वृ
 हा. स्वाहा ॥ **॥ पितामहय ॥ ॐ निवृद्धयुजाविवि ॥ ॥ धनपूष्ययासकन**
 साहं सर्वनामा प्रवदं भिना नये ॐ मे दिवसमूषादाय ॥ यावदावाधि मधुलं निख
 धुना ॥ नाव गूवृद्ध एगवकमहाका नृदिकं सर्वहं सर्वदर्शिनं. सर्ववैजिरया
 यहं ॥ महापूष्यं अरुणकायं अनूरुजकायं. सजधंगकमि. द्वियदनामग्र

म् ॥ **॥ हनाथ हलुचू. जिमिसं. थथ. गुनाम. थमनं कयारालाग वीधिम**
 यनामविह नखरुमश्ल. वल्लो नं. वृद्धयाक सजधंगन ॥ वृद्धशूयुगधिं सध
 सा. हानसिनवानु. श्याविकाक. महाकनूधवक श्याविकाक. ॥ संपूर्वहृ
 नसियाविकाक. संपूर्वधर्मपायकनाविकाक. संपूर्वभक्तुर्वेजियाएयक
 काविकाक. महापूष्यकायकाविकाक. ॥ अमु अमुनं मथुगुमजीव
 श्याविकाक. अनूरुजहानयासजिजश्याविकाक. निपासुकिं
 याचार्यवृद्धमधुलं याविकाक ॥ थथिनका वृद्धयासजधंगन
॥ धनपूष्यमधुलं ॥ अविहानयाक ॥ आकधर्माग्रहं हनचय

विष्णुधर्मः ॥ संमत्तुदवाचाग्रं. शिवमंर्तुमूर्तमं ॥ ॥ अथसंयममहा
 य ॥ श्रीमत्तुदी श्रीधर्ममधुलएटावकाययाचमनायेयनिकुखाहा ॥
 जह्वैहा ॥ स्वां क हा उयकंयीजासकंय ॥ ननाधर्ममधुलसर्वविद्यानूका
 जयह ॥ स्वां य ॥ ॐ आर्यप्रहायाजमिनाय. वज्रयूष्यंयनिकुखाहा ॥ १
 म ॥ ॐ आर्य. गधुय हायवज ॥ २ पूर्वकान ॥ ॐ आर्यदभरुमियव
 क ॥ दकिजगाम ॥ ॐ आर्यसमाविजाजायेवज ॥ ४ यकिं सुस ॥ ॐ आ
 र्यलकावनायायेवज ॥ ५ उरुयवडा ॥ ॐ आर्यसदमपूविकायेव
 ज ॥ ६ आरावडाथयूकन ॥ ॐ आर्यनथगनसुफकायवज ॥ ७ नि

जसुडाथयूकान ॥ ॐ आर्यलहिनविरुनायेवज ॥ ८ वायुय ॥ जडा
 माथकामहा ॥ ॐ आर्यसर्वकृपहास्वनायेवज ॥ ९ ॥ १० आनयडा ॥ ११
 कान ॥ पत्तप्रहाजयूजा ॥ विधीययूजा ॥ मुनि ॥ यागाद्यादिकदुख
 ककमहनाचक्रययंयागीनां. यशे आहुकयेजजादह. जह. सख ॥ समाकय
 नि ॥ अजानक. जगत्समृद्धनियय ॥ संकनइरवाहवा संवृद्धाभुयूट ॥
 नायमहनाधर्मायनमेनम ॥ ॥ नियोगन ॥ मेधुलनदाहयगाथ
 धर्ममु ॥ गजयवदिन. ॥ काओयायिकयाज. निर्वानिकेनेमेधमजला
 य. ॥ दयूयमधुलनियोगयामि ॥ वरि ॥ प्राहायाजमिनायमहा

विष्णुसहास्रनाममहातीतजल. यंकज यूष्महस्तु नृदं वस्त्रियं चमनं. उंज
जिप्रविचूरुप्रवर्द्धदीक्षु २मं आवर्द्धदीक्षि २वर्द्धदीक्षु स्वाहा ॥
पिजासुगय ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥** ॥ धनधर्मयावकन ॥ साहमवन्मसा
नवदंभिना. नयं ॐ मदीवसमुपादाय ॥ यावदावाधिमराप्रनिखंछना
नावधर्मसजगजगामि ॥ धर्मप्रसादाजमिनाहि च. विजागानामग्रम. उ
द्युननो. स्नानचय ॥ नृणां धर्मसजगजगामि ॥ ॥ हुनाथहउ
नृजिमिस्तथथुनाम. थमनेकयागी ॥ गालां वाधिम. यनामविहा
न. खलुमस्तुगालं धर्मयाकसजगजगान ॥ धर्मश्रयुगथिं कथासाय

सूयाजमिना. यकाविकाकक. जागदव. मायासाहनंथियमरु ३म
जो जश्याविकाकक. तथागनपिनिमाश्याविकाकक. स्नानचयश्या
विकाकक. थथिं कधर्मजलयाकसजगजगान ॥ ॥ धनसंपम. वस
म. **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥** ॥ नमधर्मगसं हनं स्नानचय्यावि. धर्मसमकह
इनावाजागुलायमस्तुमस्तु ॥ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥** श्री
मस्तु श्रीसंपमस्तु. एहाजकाश्यायाचमधर्मप्रतिकृत्वाहा ॥
उद्वह ॥ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥** ॥ उं संपमस्तु
सर्वविद्यानृत्ताजयह ॥ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥** ॥ उं श्यावलाकिन ॥ नमो भगवते वासुदेवाय

इष्टीप्रतिष्ठाहा॥१॥ म॥ ॥ ॐ अर्घ्यमेजीविजयायवज॥ २ पूर्व
जात॥ ॐ अर्घ्यमगगगंजायवज॥ ३ दक्षिण॥ ॐ अर्घ्यसमकहृदा
यवज॥ ४ ॥ म॥ ॐ अर्घ्यवजपानयवज॥ ५ ॐ अर्घ्यसर्व
ॐ अर्घ्यम॥ ६ ॐ अर्घ्यसर्व
दीवनविष्णुहीयवज॥ ७ ॐ अर्घ्यसर्व
हायवज॥ ८ ॥ म॥ ॐ अर्घ्यसर्व
सर्व॥ ९ ॐ अर्घ्यसर्व
॥ १० ॥ ॐ अर्घ्यसर्व
॥ ११ ॥ ॐ अर्घ्यसर्व
॥ १२ ॥ ॐ अर्घ्यसर्व

मस्तुमयना॥ म॥ मस्तुमयनागि॥ १ ॐ अर्घ्यमेजीविजयायवज॥ २ पूर्व
जात॥ ॐ अर्घ्यमगगगंजायवज॥ ३ दक्षिण॥ ॐ अर्घ्यसमकहृदा
यवज॥ ४ ॥ म॥ ॐ अर्घ्यवजपानयवज॥ ५ ॐ अर्घ्यसर्व
ॐ अर्घ्यम॥ ६ ॐ अर्घ्यसर्व
दीवनविष्णुहीयवज॥ ७ ॐ अर्घ्यसर्व
हायवज॥ ८ ॥ म॥ ॐ अर्घ्यसर्व
सर्व॥ ९ ॐ अर्घ्यसर्व
॥ १० ॥ ॐ अर्घ्यसर्व
॥ ११ ॥ ॐ अर्घ्यसर्व
॥ १२ ॥ ॐ अर्घ्यसर्व

[illegible]

धृष्टं जस्य वाह विहृष्टिन्. समूहिर्न विष्णोः लाङ्गं कूचूषाणां मिथ्यमानं भंडं
 वामकटं ध्वजं ॥ कंथं हायविर्न. नावसं. नाज्वाह कटि समायुक्तं वज्रदयं क
 ॥ विर्न. श्री जमायया ॥ हं ॥ धनन्यासयायुः यं केशिषक मज्जि उयो ध
 मूयल दसायाक मजीश. यं केशिषक लापीं ऊक शसा न्यासयाक मा. धन.
 दकिन हस ॥ धन. ॥ उं अका जन चदु मधुलं ॥ वाम हस ॥ उं अका जन
 सूर्य मधुलं ॥ उं वज्राय धु हस ॥ हं ॥ दकिन वाम आवर्तनं ॥ कजयल वदन,
 दकिन ॥ उं कूं जौं जिरे हं ॥ वाम ॥ उं लोमायां नौ हं ॥ उं अ ॥ उं स्वाहान धि उग्र
 न्या ॥ उं वज्रय कूं ॥ याय धन ॥ उं जमा ययो न्जि ॥ सिन श्री ॥ उं ऊया

यहू॥ श्री॥ उं बीजयायहू॥ कं०॥ उं हूँ स्वाहा वज्रदयहू॥ हृदि॥ उं जय वि
जयायहू॥ नाहि॥ उं हूँ अहयप्रदायहू॥ पादद्वयं॥ ॥ स्वतानं उं मेरीयहू
मित्र॥ उं क्रिणि गहू॥ लज्जा॥ उं वज्रयाहिहू॥ वक्रद्वयं॥ उं स्वगहू॥ हूँ
रहयं॥ उं लोकधनीहू॥ आ॥ उं मम प्रदायहू॥ श्री॥ उं सर्वदा वज्रदा वि
रुक्तीहू॥ हृदि॥ उं समरुहदहू॥ सर्ववि॥ जज्ञानं॥ उं हूँ अजिनायहू॥
दोऊनवाही॥ उं अयं जाजिनायहू॥ वामबाहि॥ उं हूँ मानसै न्यप्रमदना
यहू॥ मूख॥ उं हूँ अकाजमरु प्रसमनायहू॥ हृदि॥ उं हूँ धनदायहू
दहिनाजानू॥ उं वसुधजायहू॥ वामजानू॥ उं अमितायस्वाहाः

यहू॥ उं अमायां कुरु जहूँ वंहा॥ स्वाहा॥ धनं न्या॥ ॥ उं हृदि
रुक्तीकाजनवसिममृष्टासंस्मर्य अकनिरुत्तुवनहिनां श्री अमाघवा
न॥ समामय अकयेयं॥ ॥ अकर्म॥ आ॥ ममृष्टा विद्या
न॥ सर्वगाथागना अकं सर्वगाथा अकं सर्वगाथागनालयं॥ सर्वधर्मा
गुने जालादमममृष्टममृष्टं॥ ॥ ममृष्टममृष्टानुयकं यिजासनाय
उं अमाघयासं लोकं अमममृष्टममृष्टं सर्वविघ्ननेकादयहू॥ ॥ स्वानेवा
यममृष्टममृष्टं॥ उं अमाघयासं लोकं अमममृष्टममृष्टं वज्रयुक्तं प्रतिक्रियाहा
१॥ उं जोषुलां के विजयाय वज्रयाहा वज्रयुक्तं प्रतिक्रियाहा॥ उं ममृष्ट

यमहं वज्रपूर्वप्रणि कृत्वा ह॥ ३ ॥ ~~अथ वज्रमन्त्रः~~ ॥ गन्तव्यं ह॥ आहवने
 स॥ अमिताभं वज्रपूर्वप्रणि कृत्वा ह॥ १ ॥ पूर्वकोत्तर॥ ॐ अमायां कृ ॥
 च वज्र ॥ २ ॥ दक्षिणकोत्तर॥ ॐ नानाया वज्र ॥ ३ ॥ पश्चिमकोत्तर॥ ॐ हृक्
 मिताया वज्र ॥ ४ ॥ उत्तरकोत्तर॥ ॐ सुवनकमाया वज्र ॥ ५ ॥ अ
 यं अथ वज्रकोत्तर॥ ॐ अथ वज्रकोत्तरं नानाया वज्र ॥ ६ ॥ नैऋत्य
 कोत्तरं वज्रकोत्तर॥ ॐ एवं नानाया वज्र ॥ ७ ॥ वायव्य॥ ॐ हृय श्रीं वा
 यवज्र ॥ ८ ॥ ॐ नानाया वज्रकोत्तरं गन्तव्यं ह॥ धनं धनं कृत्वा
 नीलं वा च दक्षिणं वा च ॥ ॐ अतिनाय वज्रपूर्वप्रणि कृत्वा ह॥

१ ॥ ॐ अथ नातिनाय वज्र ॥ २ ॥ ॐ मानसेन्यप्रमर्दनाय वज्र ॥ ३ ॥ ॐ
 वज्रदाय वज्र ॥ ४ ॥ ॐ अकारमृष्टप्रसमनाय वज्र ॥ ५ ॥ ॐ ऊयाय वज्र
 ॥ ६ ॥ ॐ विजयाय वज्र ॥ ७ ॥ ॐ ऊयविजयाय वज्र ॥ ८ ॥ ॐ वज्रदाय
 वज्र ॥ ९ ॥ ॐ वज्रं धनाय वज्र ॥ १० ॥ ॐ अथ प्रदाय वज्र ॥ ११ ॥ ॐ ध
 नदाय वज्र ॥ १२ ॥ ॐ प्रयत्नवृद्धाय वज्र ॥ १३ ॥ ॐ नमः सुवर्ण
 लाविनादिना जाजागथागनाय वज्र ॥ १४ ॥ ॐ सिंहनादविक्रीदिन जाजा
 यनथागनागनाय वज्र ॥ १५ ॥ ॐ नमः सुप्रतिष्ठित जाजायनथागनाय
 वज्र ॥ १६ ॥ गन्तव्यं च सुप्रतिष्ठित जाजायनथागनाय वज्र

पूष्यपुनिक स्वाहा ॥ १ ॥ उँ धूपना जायवज ॥ २ ॥ उँ दिपना जायवज
 ३ ॥ उँ गन्धना जायवज ॥ ४ ॥ **गन्धना रुद्र सदी गन्धना रुद्र सखानवा**
य ॥ ५ ॥ रुद्राय सजाधियनयवज पूष्यपुनिक स्वाहा ॥ १ ॥ उँ यमाय सजा
धियनयवज ॥ २ ॥ उँ वज्राय सजाधियनयवज ॥ ३ ॥ उँ कुव
आय सजाधियनयवज ॥ ४ ॥ उँ आलय सजाधियनयवज ॥ नैमिष
जाय सजाधियनयवज ॥ ५ ॥ उँ वायुय सजाधियनयवज ॥ ६ ॥ उँ रु
सानाय सजाधियनयवज ॥ ७ ॥ धनमस्य सजाधियनयवज ॥ सुनि
 उँ नमो अमाय सजाधियनयवज ॥ रुद्रं कुरु उग्र-वाचसं मे दधयता

वज्रसखि नं सर्वरु-वि-कानमाय यं वज्रं-श्रीपञ्चजाय नमं-वाभनं-दिक
 मधुलं च-कमलं च-दं-धुमं पूरु-कं-वंदं-पञ्चम-ननुमिचसा-सा/
 कानकं यमय ॥ **॥ वलियि जादी लस ॥** उँ अमाय सजाय सजाय सजाय
 धायमहाकासूष्मग्रचिलाय-सकलयोग-दायिदुदुष्टदुष्ट-सदुष्टदुष्टम
 यमनाय रुद्रं वलियिदुष्टादि-सहिनाय गृहिणा-य रुद्रं रुद्रं-मिदुष्टं चजा
 कुरु उँ आरुद्र स्वाहा ॥ **॥ मितादा नमो यके ॥ धनवदुका संख**
लं यलं ममहायक ॥ वृद्धका २९ ॥ नित्यं ॥ धन ॥ उँ मज २५ ॥ २५
 गवन्-धन २ ससयमनुमन रुद्र स्वाहा ॥ **वृद्धका मधुलं सजायक वाक**

[illegible]

हृदयप्रणिमधुल. अजिजकल २ नय २ एगवा न्हा मादि प्र. यम. वचू ० क्वे
जवम. दुप्रमिदवग २ एव. निरुचवमकमलाय श्री अमाद्यया अलाक
अज एहा जकाय अर्घ्यप्रणि क. स्वाहा ॥ ॥ संखयूजा ॥ धननि अंगनम
दुलदा हलथ. मथा ॥ स. नि सं ये ४८ अगाय हि कलप्रणिय भगव ज. म
२ अगाय ना. स. कला गामि. स. नि सं ये ४९ अगाय हि कलप्रणिय
य. अ. गा. वना गामि न. स. नि सं ये जह न कलप्रणिय नका जह न नव एगवा
नू. अर्या बर्हिक वाधि सखस च जाह वनी ये समा क जनी य. अ. जलिक ज
नी य. अ. नू. व. पू. धं कृ. द. नीया. लाक खे न स्मे. अर्या वला कि नं अ

विश्वं जलं तस्यं जलं विष्णुं जादयन्तः कायाविश्वं पंचमं जादयन्तः
जलं मधुसूतः सूर्यादिसकृन् वरुणं नक्षत्रं ॥ क्रूरं सिद्धं धर्मं जलिनं का
या जलवत्कृतं सूर्यं मयि कायं कृतं सकलं गंतं मधुसूतं जादयन्तं विष्णुं
यं समं मधुसूतं याकृतं सयालं स्वयं कृतं ॥ निधं सनागयनागं कृतं कृतं
यं सूर्यायमानागं याकृतं सूर्याय ॥ ॥ लिहातायागं अगमस्य पूजा
यायं अयं येयं इत्याम् ॥ थूलि अरुतिवृत्तं यायं शुकं थूलि
इत्याम् ॥ ॥ ॥ ॥

उ० अनंता ५० के नरु क० कर्काटक यज्ञः महायज्ञः । शिवयात्राः कुलीकः य

ॐ नमो भगवते ॥ धृतिविहयाय गुणाय नमो नमो ॥ ॥ धृति
 दम्भकृन्त्याय नमो नमो धर्मवृत्त्याय नमो नमो ॥ मया नमो
 धर्मयोक्तानि सफलं ज्ञेया नमो कर्तानि ॥ अथ यावत्तथा दम्भकु
 सल्याय नमो नमो ध्यायन्तु नमो आह्वयकला ॥ ॥ ॥
 ॐ नमो लोका नाथाय ॥ ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ पूज्यं च नमस्क
 र्त्वाय सस्य ह्यनवशा सत्कृत्याय नमः ॥ पक्षापविगर्तनाथं य
 शो ह्येता उद्योतं च अथैव त्राकिं स्वचन्द्रं सर्वसत्त्वानुकर्यकं ॥
 ॥ नमो भगवते कल्याणाय नमो नमो ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते ॥ धृतिविहयाय गुणाय नमो नमो ॥ ॥ धृति
 दम्भकृन्त्याय नमो नमो धर्मवृत्त्याय नमो नमो ॥ मया नमो
 धर्मयोक्तानि सफलं ज्ञेया नमो कर्तानि ॥ अथ यावत्तथा दम्भकु
 सल्याय नमो नमो ध्यायन्तु नमो आह्वयकला ॥ ॥ ॥
 ॐ नमो लोका नाथाय ॥ ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ पूज्यं च नमस्क
 र्त्वाय सस्य ह्यनवशा सत्कृत्याय नमः ॥ पक्षापविगर्तनाथं य
 शो ह्येता उद्योतं च अथैव त्राकिं स्वचन्द्रं सर्वसत्त्वानुकर्यकं ॥
 ॥ नमो भगवते कल्याणाय नमो नमो ॥ ॥ ॥

बहिगगशकाह-उँहादीयंक।बकनह२कुचूगंधंखाहा॥गध॥उँवन
 २ववदाकयकह॥२नेवयंखाहा॥नेवय॥वजयूष्यखाहा॥
 उँजकाहसूर्ययादि॥वलि॥वजयकड्ड॥॥खानमयकड्ड॥याग
 मयकड्ड॥आसोनमयकड्ड॥रावना॥गगाखरुदयअकावेधचनु
 मंभुलं-नइयदिजीकावतजन्तिविस्वचिनंदअदिगलाकआहुंगला
 अमापुयाजलाकअचप्रमियाव्य॥नइसिमंहावहायून४उईगन
 चमिंविस्वचनंसूरवायमिंलाकआहुंगला-अमापुयाजलाकअचप्र
 मियाव्य॥नइसिमंभुलंयमानीयहका॥॥उँववदायखाहा॥

ॐ स नमः ॥ १ ॥ गव नमः ॥ २ ॥ स मयः ॥ स नमः ॥ ह स्था हा ॥ ३ ॥ अ मा दया नमः ॥
क नमः ॥ द वे नमः ॥ का ना य पा र्थ प्र नि रु स्था हा ॥ अ र्घ्यं अ च म नं प्र नि रु
स्था हा ॥ ४ ॥ ॐ इ ई यं ॥ पू ष्य नमः ॥ म ह त ह स्था न ना यं ॥ ५ ॥ अ मा दया नमः
॥ का क नमः ॥ ना य व ड य पू ष्य प्र नि रु स्था हा ॥ ६ ॥ ॐ कीं ॥ का क वि ड ना य अ मा
दया नमः ॥ प्र नि रु स्था हा ॥ ७ ॥ ॐ हं ॥ रु द स्था हा ॥ ८ ॥ अ मा दया नमः ॥ कीं स्था हा
॥ ९ ॥ ॐ अ र्घ्यं ॥ अ मि ता ना य व ड य पू ष्य प्र नि रु स्था हा ॥ १० ॥ ॐ न ना य व
ड य पू ष्य प्र नि रु स्था हा ॥ खं ॥ ११ ॥ ॐ हं ॥ क नि य व ड य पू ष्य प्र नि रु स्था हा ॥ १२ ॥
ॐ ॥ १३ ॥ अ र्घ्यं ॥ अ त य ना य व ड य पू ष्य प्र नि रु स्था हा ॥ १४ ॥

विशिष्टं पंचमं नक्रम धरुगवतं अभाषया अलाक भवजं विष्णुकापवि
समयदक्षिणं सर्वो गुरुत्वं नक्रम खं नया विवभधनं अरुत्तं दक्षिण
अरुत्तं वदया अलाकमात्रा धनं वासिष्ठिदं पूरु क पयक म उल्लुधवं
ऊदास कृतिर्न अमिता रुद्र न सख जं हा वयता ॥ रगवं का सव्य ना जस्या
सवर्धुदिरुजादक्षिण वचदा काम नीलाय लवेना सर्वो लं का जल वि
मात्रा मरु कृटिपी नवर्धु च सुर्गुजा दक्षिण प्रथम सु ऊन वज्र दक्षिणी
यं रगवर्त नमस्का जक नं वास प्रथम सु ऊन या लि जा न पूष धनं दि
नीय न अरुत्तमा धनं रगवर्त पूष न अभाषा क म चक वर्धु

कनया मधवं हूधन कूमा जक नक रगो नवर्धु क च पूरां जलिय हू
यावमिता पूरु क धनं हय ग्रीव न क वर्धु दि उ ऊ दक्षिण सु ऊ न रगव
नं नमस्का जक नं वास सु ऊन पय धनं ॥ गगा वही यू र्व मे नीय पी न वर्धु
नाग पूष धनं गग ध गं ज निग पी न रु धर्म ध ज धनं सम न र द पी न
वर्धु चलन मं ज वि धनं वज्र या लि निग पी न रु ह रु क्रि नि ग र्ध नी न वर्धु
चक धनं खग र्ध नी ल वर्धु चक चलन धनं ॥ ॥ गगा अग न्या म ॥
उ ऊ या य स्वाहा ॥ उ वि ऊ या य स्वाहा ॥ उ ऊ य वि ऊ या य स्वाहा ॥ इ शा
ह ॥ शिका या वि हान ॥ गगा स्व हृदय अका न ध च नु मं धुलं न दू य वि

श्रीकावचमदुर्लभविष्णुजिह्वदत्तद्विष्णुकावचमर्चनार्थं ॥ गजमाधवाभिलाषक
 चमत्कृतसमानियंदृष्टा ॥ अरिषकं यथार्थं यथा ॥ यथाहिजातमात्रं
 क्षणापि नासर्वं नथागतं अविषकं समन्त्रिह ॥ ॐ आवजादकाहिषिं
 चमा ॥ अरिषकं महावज्रं ॥ अरुकं नमस्कृतं ॥ ददामि सर्ववृद्धानां
 युक्तालयसंख्यं ॥ युक्ताकं युक्तार्थं ॥ सकृदयं च कृत्वा गुरुवं ॥ ॐ स
 र्ववृद्धचक्षुःसमक्षिप्तमक्षुःसकृदाभिरुक्षिप्तं ॥ सकृद ॥ ॐ वज्रं च ॥ ॐ वी ॥
 हिषि च ॥ ॐ सत्त्ववज्रं अरिषी च ॥ ॐ चत्त्ववज्रं अरिषी च ॥ ॐ
 ॐ चर्मवज्रं अरिषी च ॥ ॐ कर्मवज्रं अरिषी च ॥ ॐ अरिषि

कस्तमसि वृद्धे वकीरिष कः ॥ इदं कस्तमसि वृद्धे वकीरिष कः ॥
वज्रयं ह काय ॥ उ वजाधियमिस्त्रामिस्त्रिषि चमि-मिष्टव जस्तमयसं ह
वज्रयं ह जजज ॥ यं केरिष क ॥ उ हं उ हा उ आ ॥ अमायया ननामन
थागन ह र्विष ॥ उ आ ॥ अमायया र्वा हं ॥ जयमकट-अमिमा ह क न स
खजं लावयं न ॥ ॥ आ कर्षन ॥ पा लादि ॥ ययन्या ॥ म ह ल सखा वा य
यं ययं वा ययं ॥ अ-या-य-यं-ला-यं-मु ॥ वदितं ययं ॥ उ किं अ वम
नं ययि क्ख हा ॥ नना वलि लावना ॥ यजनायं का व हा वा यम हं नद
यजि चैका वत अग्निम ह ॥ कका नृ चैक ॥ नदय चि वहि न सं दं नानि

हकं ॥ वदपविदुं और्जिं खै हूँ ॥ लो माँ यो मौ वें वं का ज जा न द मि थि न पं चा म त य च
बु दि प नू यं त नि का य ॥ वा य प्र वि न क लि मा गि ना यु वि लि नं वी जा कृ या दि कं
अ रि म व रा नू व र्ध ड व नू यं द स्का अ म न त रं चिं कृ थं नू ॥ ॐ आ हूँ कृ थ
कृ या धि मि थि नू ॥ ॥ पूर्व व नू व लि स खान वा य ॥ आ वा य यं ला
यं नू ॥ व लि मा ला ॥ ॐ अ मा च मा स कीं ४ सर्व द स्का न म य म हा य रं ऊ क
ऊ द व लि दू ग्धा दि स हि नं गं ऊ २ म म सर्व स खानां च आ निं यू थिं कृ थ हूँ ख
लि खा हा ॥ आ च म नं यू थिं कृ थ हा ॥ पं ला चं नू ॥ स मा ऊ र ॥ अ या न
या दि ॥ वि सृ ज न ॥ कृ ति अ मा च या न य जा वि धि स मा फ ॥ ॥ ॥

